901

801(ME)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक प्रख्यात नाटककार हैं ।

ii) रामविलास शर्मा उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं ।

iii) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कहानी विधा की रचना है ।

iv) 'अजन्ता' के लेखक डॉ० भगवतशरण उपाध्याय हैं ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1

i) 'बाणभट्ट की आत्मकथा'

ii) 'रस मीमांसा'

iii) 'अर्द्धनारीश्वर'

iv) 'सेवासदन' ।

ग) किसी एक आत्मकथा-लेखक का नाम लिखिए। 1

घ) 'रेशमी टाई' किस विधा की रचना है ? 1

ङ) उपन्यास विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए । 1

2. क) रीतिकाल की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । 2

ख) निम्नलिखित रचनाओं में से किन्हीं दो रचनाओं के रचनाकारों के नाम लिखिए : 2

i) 'हिमकिरीटिनी'

ii) 'चिदम्बरा'

iii) 'पथिक'

iv) 'यशोधरा' ।

ग) 'छायावाद' के किसी एक कवि का नाम लिखिए । 1

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2

क) यह एक नैतिक और आध्यात्मिक स्रोत है, जो अनन्तकाल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पूर्ण देश में बहता रहा है और कभी-कभी मूर्त रूप लेकर हमारे सामने आता रहा है । यह हमारा सौभाग्य रहा है कि हमने ऐसे ही एक मूर्त रूप को अपने बीच चलते-फिरते, हँसते-रोते भी देखा है और जिसने अमरत्व की याद दिलाकर हमारी सूखी-हड्डियों में नई मज्जा डाल हमारे मृतप्राय शरीर में नए प्राण फूँके और मुरझाए हुए दिलों को फिर खिला दिया । वह अमरत्व सत्य और अहिंसा का है, जो केवल इसी देश के लिए नहीं, आज मानवमात्र के जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक हो गया है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) हमें अमरत्व का याद दिलाकर किसने हमारे मृतप्राय शरीर में नए प्राण फूँके ?

http://www.upboardonline.com
Scanned with CamScanner
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
StudentSuvidha.com
downloaded from

ख) ईर्ष्या से बचने का उपाय मानसिक अनुशासन है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु स्वभाव का है उसे फालतू बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी पता लगाना चाहिए कि जिस अभाव के कारण वह ईर्ष्यालु बन गया है, उसकी पूर्ति का रचनात्मक तरीका क्या है। जिस दिन उसके भीतर यह जिज्ञासा आएगी, उसी दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) ईर्ष्या से बचने का उपाय क्या है ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य सौंदर्य भी स्पष्ट कीजिये : 1 + 4 + 1

क) पुर तें निकसी रघुबीर-बधू, धरि धीर दये मग में डग है।
झलकी भरि भाल कनी जल की, पुटि सूखि गए मधुराधर वै।
फिरि बूझति हैं - चलनो अब केतिक, पर्णकुटी करिहौ कित ह्वै ?
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारु चलीं जल च्वै।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

ख) अतुलनीय जिनके प्रताप का
साक्षी है प्रत्यक्ष दिवाकर ।
घूम-घूम कर देख चुका है,
जिनकी निर्मल कीर्ति निशाकर ।
देख चुके हैं जिसका वैभव,
ये नभ के अनन्त तारागण ।
अगणित बार सुन चुका है नभ,
जिनका विजय-घोष रण-गर्जन ।।

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) रामचन्द्र शुक्ल
ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
iii) भगवतशरण उपाध्याय ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) सूरदास
ii) महादेवी वर्मा
iii) सुभद्राकुमारी चौहान ।

Downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति । इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः । मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीयदर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत् । सः तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः ।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति ।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत् ।।

7. क) : अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1

i) भारतीय संस्कृतेः मूलं किम् अस्ति ?

ii) वीरः केन पूज्यते ?

iii) सुवर्णस्य किं मुख्य दुःखम् अस्ति ?

iv) वाराणसी कस्य संगमस्थली अस्ति ?

Downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

8. क) हास्य रस **अथवा** करुण रस की परिभाषा लिखिए और एक उदाहरण दीजिए । 2

ख) 'उपमा' अलंकार **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए । 2

ग) 'रोला' छन्द **अथवा** 'सोरठा' छन्द का लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण भी दीजिए । 2

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1

i) अधि

ii) सह

iii) उप

iv) अभि

v) सु ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1

i) त्व

ii) वट

iii) पन

iv) आई ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1 + 1 10

i) जल-थल

ii) चक्रपाणि

iii) त्रिफला

iv) अधपका ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1

i) आग

ii) कोयल

iii) आज

iv) नागर ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1

i) इंद्र

ii) तालाब

iii) बंदर

iv) वृक्ष ।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

i) मन्वन्तर

ii) स्वागतम्

iii) वनोकसः

iv) मतैक्यम् ।

ख) निम्नलिखित शब्दों के तृतीया विभक्ति, बहुवचन के रूप लिखिए : 1 + 1

i) फल अथवा मधु

ii) मति अथवा युष्मद् ।

ग) निम्नलिखित में से किसी एक के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

i) अहसम्

ii) द्रक्षामि

iii) पचथ

iv) पठ ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1

i) समुद्र के उत्तर में भारतवर्ष है ।

ii) हमें देशभक्त होना चाहिए ।

iii) भारतीय संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है ।

iv) हमें गीता पढ़नी चाहिए ।

v) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

i) मेरी प्रिय पुस्तक

ii) परिश्रम का महत्व

iii) जनसंख्या-वृद्धि की समस्या और उसके निराकरण के उपाय

iv) किसी की गई यात्रा का रोचक वर्णन

v) स्वदेश-प्रेम ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : 3

क) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ख) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ग) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग 'लक्ष्मी' का सारांश लिखिए ।

ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

घ) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्रांकन कीजिए ।

ङ) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

च) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग का सारांश लिखिए ।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आज़ाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

छ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ज) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आगमन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

झ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com